Date – 10 May 2022

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती

- प्रधानमंत्री ने 9 मई, 2022 को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।
- बंगाली कैलेंडर के अनुसार, टैगोर जयंती बोईशाख महीने के 25वें दिन मनाई जाती है।

परिचय:

- उनका जन्म 7 मई, 1861 को कलकत्ता में हुआ था।
- उन्हें 'गुरुदेव', 'कबीगुरु' और 'बिस्वाकाबी' के नाम से भी जाना जाता है।
- WB Yeats को रवींद्रनाथ टैगोर येट्स (B Yeats) ने आधुनिक भारत के एक उत्कृष्ट और रचनात्मक कलाकार के रूप में बुलाया था। वह एक बंगाली कवि, उपन्यासकार और चित्रकार थे जिन्होंने बहुत प्रभावशाली तरीके से भारतीय संस्कृति को पश्चिम में पेश किया।
- वे एक असाधारण और प्रसिद्ध साहित्यकार थे जिन्होंने साहित्य और संगीत को काफी प्रभावित किया।
- वह महात्मा गांधी के अच्छे दोस्त थे और ऐसा माना जाता है कि उन्होंने महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि दी थी।
- उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि विविधता में एकता ही भारत के राष्ट्रीय एकीकरण का एकमात्र संभव तरीका है।
- वर्ष 1929 में और वर्ष 1937 में, उन्होंने विश्व धर्म संसद में भाषण दिया।
- उनका निधन 7 अगस्त 1941 को कलकत्ता में हुआ।

योगदान:

- माना जाता है कि उन्होंने 2000 से अधिक गीतों की रचना की है और उनके गीतों और संगीत को 'रवीन्द्र संगीत' कहा जाता है।
- उन्हें बंगाली गद्य और कविता के आधुनिकीकरण के लिए जिम्मेदार माना जाता है।
- उनकी उल्लेखनीय रचनाओं में गीतांजलि, घरे-बैर, गोरा, मानसी, बालका, सोनार तोरी आदि शामिल हैं। उन्हें उनके गीत 'एकला चलो रे' के लिए भी याद किया जाता है।
- उन्होंने 16 साल की उम्र में 'भानुसिंह्' नाम से अपनी पहली कविताएँ प्रकाशित कीं।
- उन्होंने न केवल भारत और बांग्लादेश के लिए राष्ट्रगान की रचना की बल्कि श्रीलंका के एक छात्र को श्रीलंका के राष्ट्रगान को लिखने और लिखने के लिए भी प्रेरित किया।
- अपनी साहित्यिक उपलब्धियों के अलावा, वह एक दार्शनिक और शिक्षाविद् भी थे जिन्होंने वर्ष 1921 में विश्व-भारती विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसने पारंपरिक शिक्षा को चुनौती दी।

पुरस्कार:

- रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए वर्ष 1913 में साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- वह यह पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे।
- वर्ष 1915 में, उन्हें ब्रिटिश किंग जॉर्ज पंचम द्वारा नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया था। उन्होंने वर्ष 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद नाइटहुड की उपाधि को त्याग दिया था।

Yojna IAS

उनके द्वारा उद्धरण:

- "केवल खड़े होकर और समुद्र को देखकर आप समुद्र को पार नहीं कर सकते।"
- "एक बच्चे को उसकी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय पैदा हुआ था।"
- "मैं एक आशावादी का अपना संस्करण बन गया हूं। अगर मैं इसे एक दरवाजे से नहीं बना सकता, तो मैं दूसरे के माध्यम से जाऊंगा- या मैं एक दरवाजा बना दूंगा। वर्तमान कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, कुछ महान अवश्य आयेगा।"
- "तथ्य कई हैं, लेकिन सच्चाई एक है।"

Yojna IAS

असानी

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने चक्रवात असानी के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में 'गंभीर चक्रवात' में बदलने की भविष्यवाणी की है।
- चक्रवात असानी का नाम श्रीलंका ने रखा है। सिंहल में इसका अर्थ 'क्रोध' होता है।
- 2020-21 में भारत में आने वाले चक्रवात थे: टौकेट, यस, निसारगा, अम्फान।

भारत में चक्रवात की घटना:

- भारत में एक द्विवार्षिक चक्रवात का मौसम होता है जो मार्च से मई और अक्टूबर से दिसंबर तक होता है लेकिन दुर्लभ अवसरों पर जून और सितंबर के महीनों में भी चक्रवात आते हैं।
- चक्रवात गुलाब 2018 में उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'डीएईई' और 2005 के चक्रवात 'प्यार' के बाद सितंबर में पूर्वी तट पर पहुंचने वाला 21वीं सदी का तीसरा चक्रवात बन गया।
- आमतौर पर, उष्णकटिबंधीय चक्रवात उत्तर हिंद महासागर क्षेत्र (बंगाल की खाड़ी और अरब सागर) में प्री-मानसून (अप्रैल से जून) और पोस्ट-मानसून (अक्टूबर से दिसंबर) अवधि के दौरान विकसित होते हैं।
- मई-जून और अक्टूबर-नवंबर के महीने भारतीय तट को प्रभावित करने वाले गंभीर गंभीर चक्रवात उत्पन्न करने के लिए जाने जाते हैं।

वर्गीकरण:

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) चक्रवातों को उनकी अधिकतम निरंतर सतही हवा की गति (MSW) के आधार पर वर्गीकृत करता है।
- चक्रवातों को गंभीर (48-63 समुद्री मील का MSW), बहुत गंभीर (64-89 समुद्री मील का MSW), बहुत गंभीर (90-119 NM का MSW) और सुपर चक्रवाती तूफान (120 समुद्री मील का MSW) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एक गाँठ 1.8 किमी प्रति घंटे के बराबर होती है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात:

- उष्ण कटिबंधीय चक्रवात एक प्रबल वृत्ताकार तूफान है जो उष्ण उष्ण कटिबंधीय महासागरों में उत्पन्न होता है और इसकी विशेषता निम्न वायुमंडलीय दबाव, उच्च हवाएं और भारी वर्षा होती है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की विशिष्ट विशेषताओं में साफ आसमान, गर्म तापमान और आंख या चक्रवात के केंद्र में कम वायुमंडलीय दबाव होता है।
- इस तरह के तूफानों को उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में तूफान कहा जाता है, और दक्षिण पूर्व एशिया और चीन में टाइफून कहा जाता है। उन्हें दक्षिण-पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवात और उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में विली-विलीज कहा जाता है।
- इन तूफानों या चक्रवातों की गति उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त, यानी वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त होती है।

उष्ण कटिबंधीय तूफानों के बनने और तीव्र होने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ निम्नलिखित हैं:

- 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
- कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
- ऊर्ध्वाधर/ऊर्ध्वाधर हवा की गति में छोटा बदलाव।
- पहले से मौजूद कमजोर निम्न दबाव का क्षेत्र या निम्न स्तर का चक्रवात परिसंचरण।
- समुद्र तल प्रणाली से ऊपर विचलन

Yojna IAS

मंकीपॉक्स

- हाल ही में यूनाइटेड किंगडम में स्वास्थ्य अधिकारियों ने 'मंकीपॉक्स' के एक मामले की पुष्टि की है, जो कि हाल ही में नाइजीरिया की यात्रा करने वाले व्यक्ति में चेचक के समान एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है।
- मंकीपॉक्स एक वायरल ज़ूनोसिस (जानवरों से मनुष्यों में प्रसारित होने वाला वायरस) है, जिसमें चेचक के रोगियों में अतीत में देखे गए लक्षणों के समान लक्षण होते हैं, हालांकि यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है।
- वर्ष 1980 में चेचक के उन्मूलन और बाद में चेचक के टीकाकरण की समाप्ति के साथ यह सबसे महत्वपूर्ण ऑर्थोपॉक्सवायरस के रूप में उभरा है।
- 'जीनस ऑर्थोपॉक्सवायरस' की चार प्रजातियां हैं जो मनुष्यों को संक्रमित करती हैं: **वेरियोला (चेचक), मंकीपॉक्स, वैक्सीनिया (भैंस पॉक्स) और गाय चेचक।**

मंकीपॉक्स:

- यह एक वायरल जूनोटिक रोग (जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारी) है और इसे बंदरों में चेचक के समान रोग के रूप में पहचाना जाता है, इसलिए इसका नाम मंकीपॉक्स पड़ा। यह नाइजीरिया की एक स्थानिक बीमारी है।
- मंकीपॉक्स वायरस के स्रोत के रूप में पहचाने जाने वाले जानवरों में बंदर और वानर, विभिन्न प्रकार के कृन्तकों (चूहों, गिलहरियों और प्रैरी कुत्तों सहित) और खरगोश शामिल हैं।
- यह रोग मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है, जो पोक्सविरिडे परिवार में ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस का सदस्य है।

पृष्ठभूमि:

- मंकीपॉक्स का संक्रमण सबसे पहले 1958 में शोध के लिए रखे गए बंदरों की कॉलोनियों में चेचक जैसी बीमारी के दो प्रकोपों के बाद खोजा गया था, जिसे 'मंकीपॉक्स' नाम दिया गया था।

लक्षण:

- संक्रमित लोगों में चेचक के समान दाने हो जाते हैं, लेकिन मंकीपॉक्स के कारण होने वाला बुखार, अस्वस्थता और सिरदर्द आमतौर पर चेचक के कारण होने वाले सिरदर्द की तुलना में अधिक गंभीर होते हैं।
- मंकीपॉक्स को बीमारी के शुरुआती चरणों में चिकनपॉक्स से अलग किया जा सकता है क्योंकि इसमें बढ़े हुए लिम्फ ग्रंथि होते हैं।

संचरण:

- मंकीपॉक्स वायरस ज्यादातर जंगली जानवरों जैसे कि कृन्तकों और प्राइमेट से लोगों के बीच फैलता है, लेकिन मानव-से-मानव संचरण भी होता है।

मानव से मानव संचरण:

- मानव संचरण का पहला मामला 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में चेचक के उन्मूलन के एक जोरदार प्रयास के दौरान दर्ज किया गया था।
- मानव-से-मानव संचरण संक्रमित श्वसन पथ स्राव, संक्रमित व्यक्ति की त्वचा के घाव, या रोगी या घाव से स्रावित तरल पदार्थ, और दूषित वस्तुओं के निकट संपर्क के कारण हो सकता है।

उपचार अवधि:

- मंकीपॉक्स के लिए ऊष्मायन अवधि (संक्रमण से लक्षणों तक का समय) आमतौर पर 7-14 दिनों का होता है, लेकिन यह अवधि 5-21 दिनों तक भी हो सकती है।

मृत्यु दर:

- यह तेजी से फैलता है और संक्रमित होने पर दस में से एक व्यक्ति की मौत का कारण बन सकता है। ज्यादातर मौतें कम उम्र वर्ग में होती हैं।

उपचार:

- मंकीपॉक्स की नैदानिक प्रस्तुति चेचक से संबंधित एक ऑर्थोपॉक्सवायरस संक्रमण के समान है, जिसे 1980 में दुनिया भर में घोषित किया गया था।
- चेचक उन्मूलन कार्यक्रम के दौरान इस्तेमाल किया जाने वाला वैक्सीनिया टीका भी मंकीपॉक्स के खिलाफ एक सुरक्षात्मक उपचार है।

Yojna IAS

- चेचक और मंकीपॉक्स की रोकथाम के लिए अब एक नई तीसरी पीढ़ी के वैक्सीनिया वैक्सीन को मंजूरी दी गई है, और एंटीवायरल एजेंट भी विकसित किए जा रहे हैं।

Swadeep Kumar

Yojna IAS